चौधरी चरण सिंह शोधपीठ

ध्येय वाक्यः खुशहाल किसान, समृद्ध भारत

समन्वयक–प्रो0 संतोष बिहारी शर्मा

पीठ की दृष्टि (विजन)

चौधरी चरण सिंह शोध पीठ को देश के आदर्श शैक्षणिक केन्द्र के रूप में स्थापित करना जिसमें उनकी नीतियों एवं विचारों पर विद्वान, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी सम्यक एवं गहन विचार विमर्श कर शोधपरक निष्कर्षों द्वारा देश को विकसित राष्ट्र बनाने में सहयोग प्रदान कर सकें। कृषि से जुड़ी समस्याओं पर गैर सरकारी संगठनों एवं किसान संगठनों हेतु संगोष्ठियाँ व कार्यशालायें आयोजित कर भारत सरकार की विभिन्न समाजोपयोगी योजनाओं का प्रचार प्रसार करना।

पीठ का उद्देश्य (मिशन)

1. भारत सरकार के संकल्प, **"विकसित भारत @ 2047"** को पूरा करने में चौधरी चरण सिंह की सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक नीतियों एवं विचारों के योगदान विषय पर शिक्षकों, शोधार्थियों एवं छात्रों हेतु संगोष्ठियां व कार्यशाला आयोजित करना।
2. चौधरी चरण सिंह के कृषि सुधार एवं किसानों की खुशहाली से जुड़े विचारों पर शोध को बढ़ावा देने हेतु समृद्ध पुस्तकालय स्थापित करना।
3. देश के आर्थिक विकास हेतु चौधरी चरण सिंह के विचारों एवं नीतियों का प्रचार–प्रसार करना।
4. चौधरी चरण सिंह के विचारों एवं नीतियों पर हो रहे शोध को संरक्षित कर जन–जन तक पहुँचाने हेतु वार्षिक शोध पत्रिका एवं अन्य पत्र पत्रिकाओं का प्रकाशन करना।
5. पीठ के आधीन शोधपरक निष्कर्षों को कृषि व किसानों के हितों से जुड़ी नीति निर्धारक नियामकों से समन्वय स्थापित करना।
6. चौधरी चरण सिंह की नीतियों के प्रति छात्रों में जागृति एवं आकर्षण पैदा करने के उद्देश्य से उनके विचारों पर आधारित मूल्य वृद्धि पाठ्यक्रमों का संचालन करना।

पीठ द्वारा संपन्न कार्यक्रम

पीठ द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती पर दिनांक 23 दिसम्बर 2023 को विश्वविद्यालय के संदारी परिसर एवं पालीवाल पार्क परिसर में दो अलग–अलग कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिसमें उपस्थित वक्ताओं ने उनकी नीतियों पर प्रकाश डाला। इन कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।